

बाजरा मशिन शुरू, IIMR के साथ समझौता ज्जापनों पर हस्ताक्षर

चर्चा में क्यों?

10 सितंबर, 2021 को छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने राज्य को बाजरा हब बनाने के उद्देश्य से 'बाजरा मशिन' (Millet Mission) की औपचारिक शुरुआत की। इस मशिन के तहत भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (Indian Institute of Millet Research- IIMR), हैदराबाद ने राज्य के 14 जिलों के साथ समझौता ज्जापन पर हस्ताक्षर किये।

प्रमुख बडि

- मशिन के तहत IIMR और राज्य के कांकर, कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, राजनांदगांव, कवर्धा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बलरामपुर, कोरिया, सूरजपुर और जशपुर जिलों के बीच समझौता ज्जापनों पर हस्ताक्षर किये गए।
- मशिन के तहत किसानों को छोटी अनाज फसलों का सही मूल्य, विशेषज्ञों की इनपुट सहायता विशेषज्ञता मिलेगी।
- IIMR किसानों को तकनीकी जानकारी, उच्च गुणवत्ता वाले बीज, बीज बैंक स्थापति करने में सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करेगा।
- बाजरा मशिन राज्य के वन क्षेत्र और आदिवासी क्षेत्रों में किसानों की आय में वृद्धि करेगा तथा छत्तीसगढ़ को एक नई पहचान भी देगा।